भारत
राज्य और केंद्र शासित प्रदेश

वर्षा ऋतु :→ मध्य जून से सितम्बर

→ मध्य जून के बाद राज्य मे मानसूनी हवाओं के आगमन से वर्षा प्रारम्भ हो जाती है।

→ इस समय मौसम उमस भरा रहता है व तापमान 25°C-30°C रहता है।

→ अप्रैल-मई-जून के महिने मे उत्तरी गोलार्द्ध मे तापमान अधिक होता है तब दक्षिणी उपोष्ण पवने निम्न वायुदाब

उत्तरी गोलार्द्ध की बढ़ने लगती है। ये हवाएं भूमध्य रेखा को पार करने के बाद व भारत की प्रायद्वीपीय स्थिति के कारण अरब सागरीय व बंगाल की खाड़ी मानसून का रूप ले लेती है

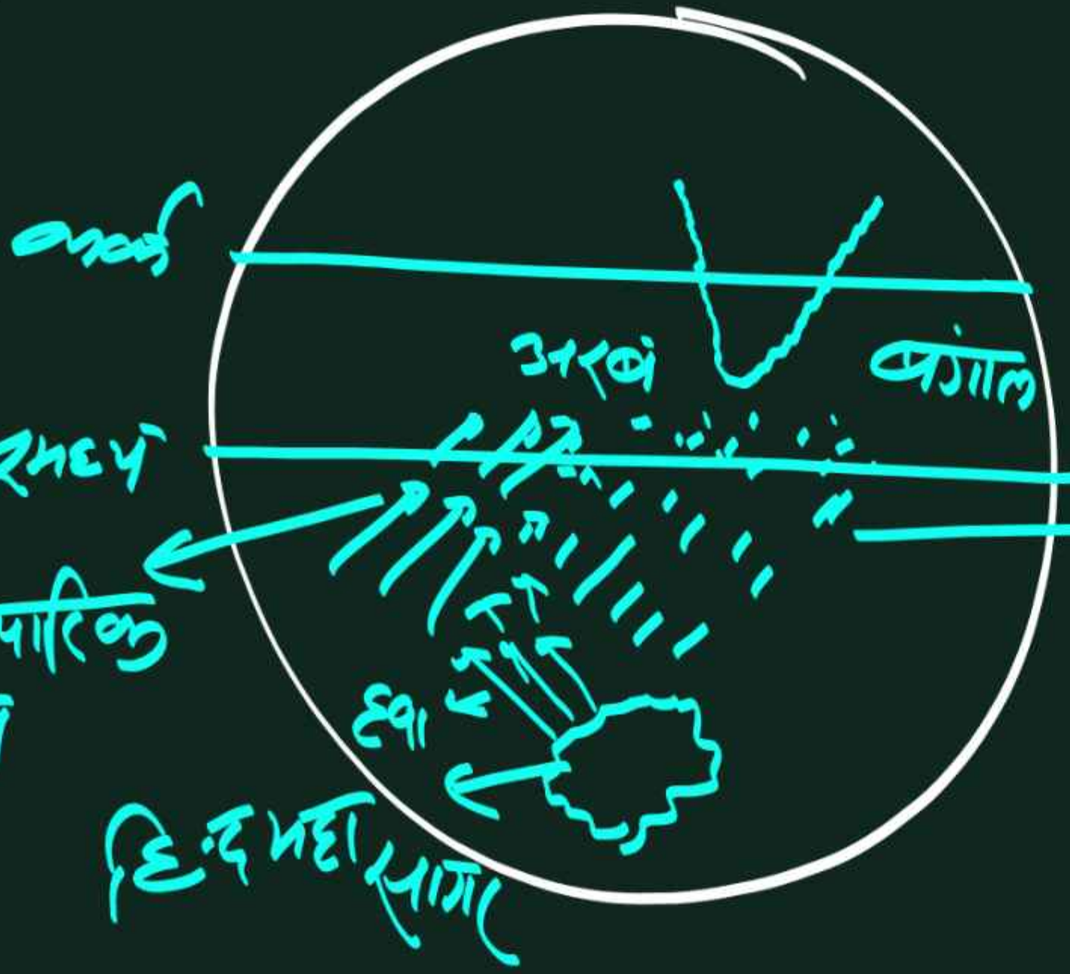

① अरब सागरीय मानसून

→ यह मानसून सर्वप्रथम भारत मे 1 जून के आसपास मालाबार तट (केरल) से प्रवेश करता है।

→ यह मानसून मालाबार तट पर स्थित इलायची की पहाड़ियों से टकराकर तीन भागो मे विभाजित हो जाता है।

- A - मालाबार तटीय शाखा।
- B → नर्मदा व ताप्ती नदियों बीच।। हियो वाला शाखा।
- C → सौराष्ट्र तटीय शाखा।

भारत
राज्य और केंद्र शासित प्रदेश

→ अरब सागरीय मानसून की सौराष्ट्र तटीय शाखा राजस्थान मे 15-16 जून (मध्यजून) के आसपास दक्षिण या दक्षिण-पश्चिम दिशा से प्रवेश करती है।

(बांसवाड़ा, डूंगरपुर, उदयपुर, सिरोही)

→ यह मानसून राज्य मे अधिक वर्षा नही करता क्योंकी इस मानसून की स्थिति अरावली पर्वत माला के समान्तर है। यह मानसून हिमालय पर्वतीय क्षेत्रो मे वर्षा करता है।

→ अरब सागरीय मानसून का राज्य मे सर्वाधिक ठहराव सिरोही जिले मे होता है।

→ बंगाल की खाड़ी का मानसून :→

↳ यह मानसून म्यांमार के अराकान पर्वत से टकराकर बांग्लादेश के ऊपर से होते हुए भारत में प्रवेश करता है

नोट → भारत में सर्वाधिक वर्षा चेरापुंजी मासिनराम मेघालय में होता है

→ बंगाल की खाड़ी का मानसून राजस्थान में पूर्व या दक्षिण पूर्व दिशा से प्रवेश करता है।

→ इस मानसून से उत्तर पश्चिमी राजस्थान में वर्षा नहीं होती क्योंकि यह अरावली का वृष्टि छाया प्रदेश है।

→ बंगाल की खाड़ी मानसून की एक शाखा कभी-कभी छोटा नागपुर के पठार से टकराकर राजस्थान में झालावाड़ जिले से भी प्रवेश करती है।

नोट → राज्य में बंगाल की खाड़ी मानसून से अरब सागरीय मानसून की तुलना में अधिक वर्षा होती है।

→ राज्य में कम वर्षा के कारण

① अरब सागरीय मानसून की स्थिति अरावली पर्वत माला के समान्तर होना

② बंगाल की खाड़ी से दूरी अधिक होना

③ वनस्पति की अभाव

नोट - बंगाल की खाड़ी के मानसून को राजस्थान में पुरवईया / पूर्वी मानसून भी कहते हैं